Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 11

इतिहास

विश्व इतिहास के कुछ विषय

अनुभाग–3 : बदलती परम्पराएँ
विषय–5: बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ

भाग-1
यूरोप में नगरीय-संस्कृति का विकास

निर्मल सिंह

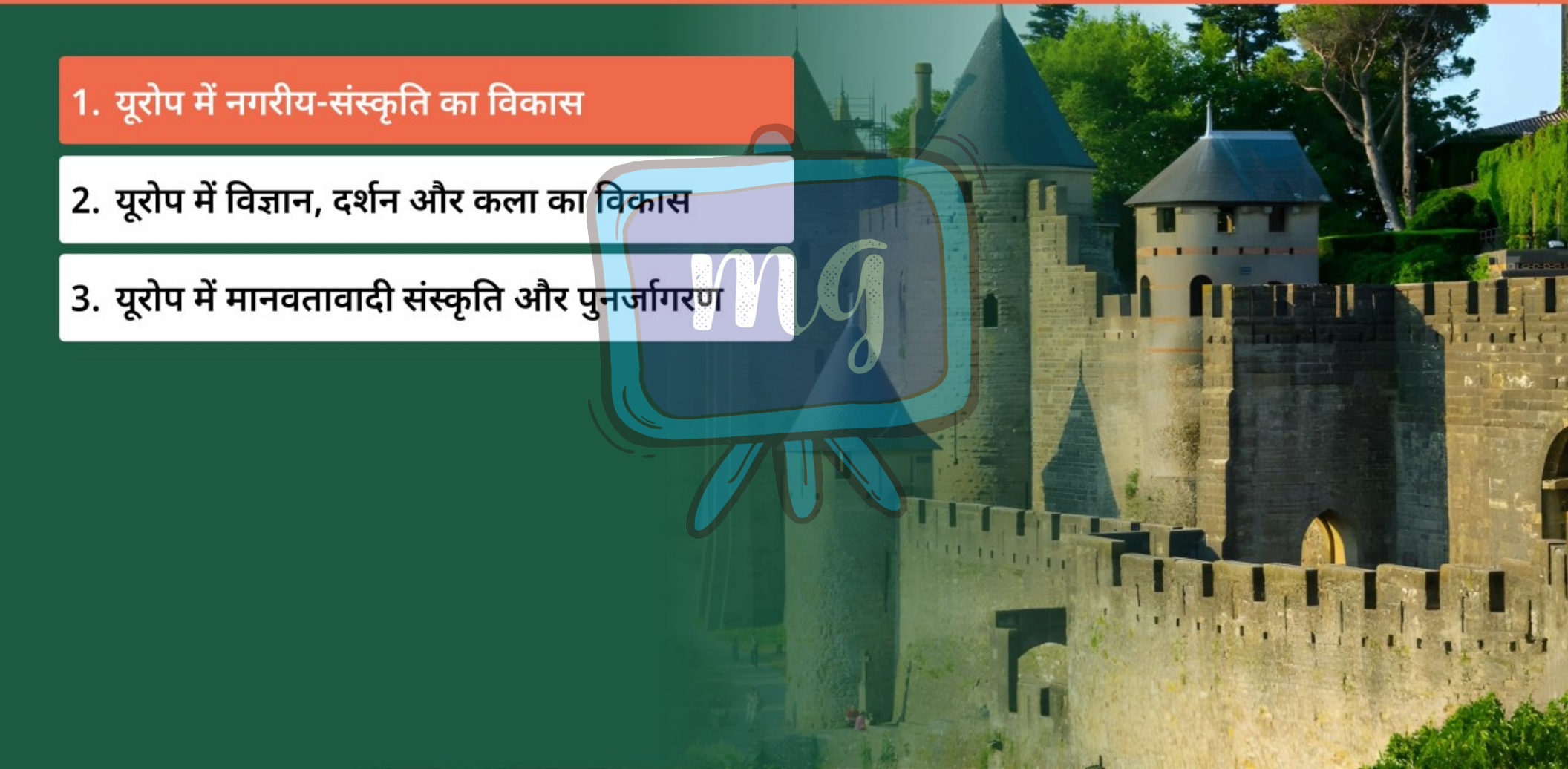


Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

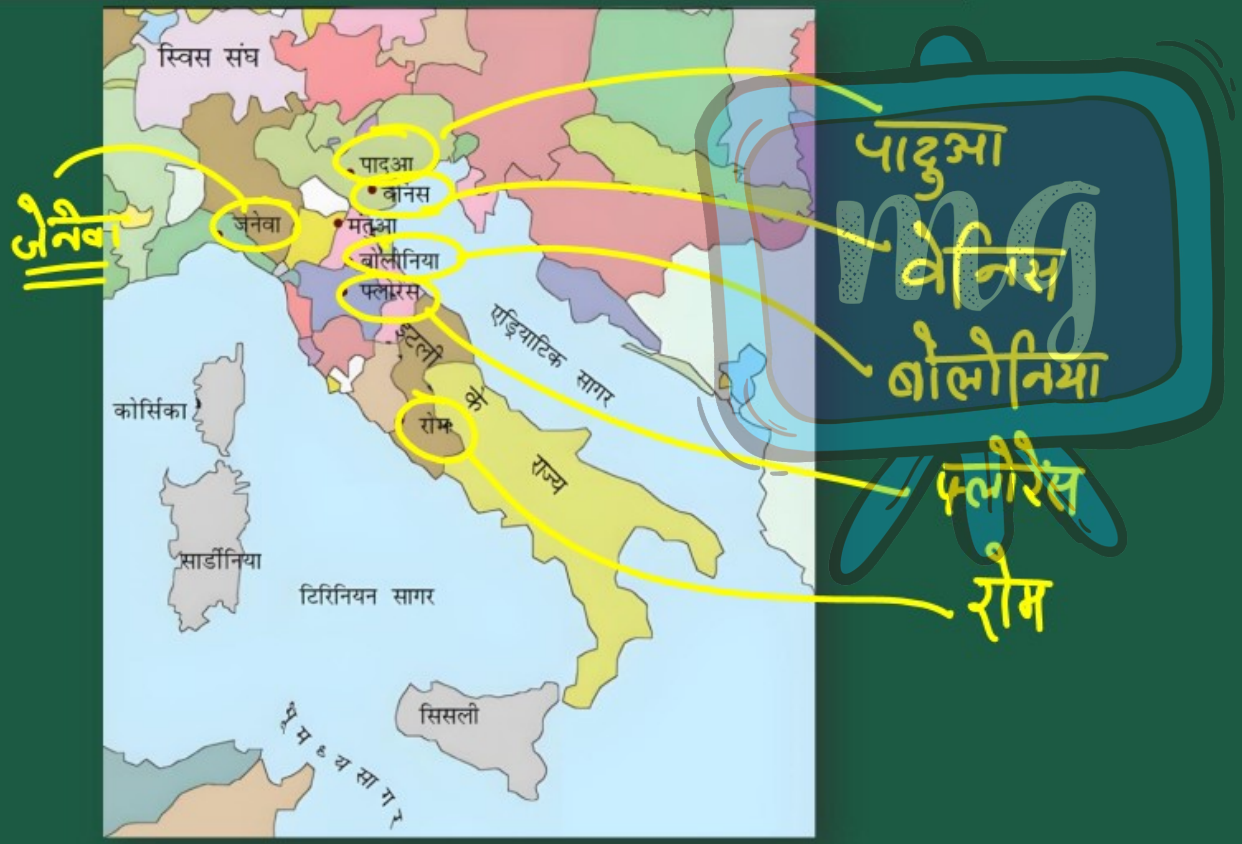
1. यूरोप में नगरीय-संस्कृति का विकास
2. यूरोप में विज्ञान, दर्शन और कला का विकास
3. यूरोप में मानवतावादी संस्कृति और पुनर्जागरण



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

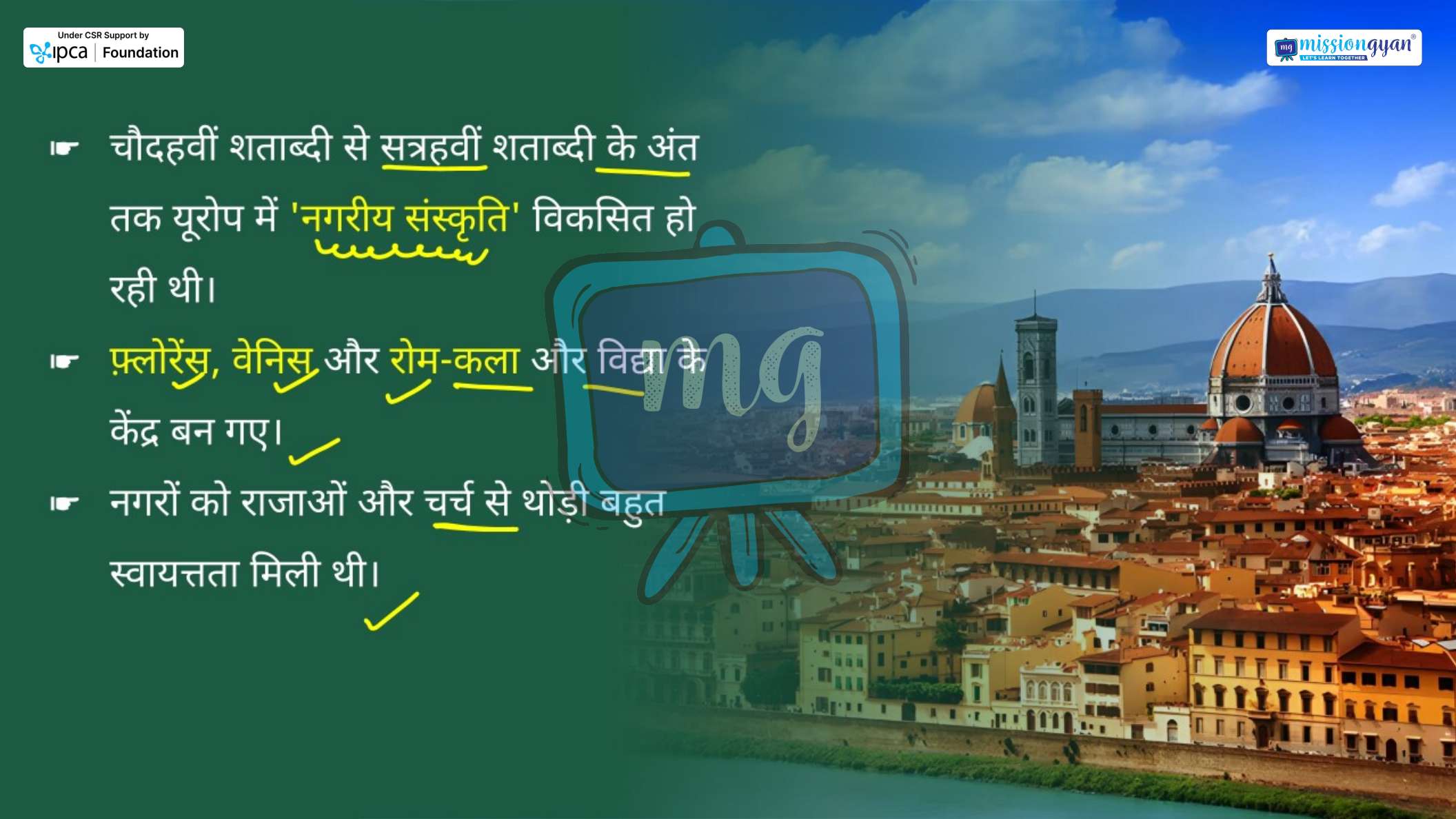
यूरोप में नगरीय-संस्कृति का विकास



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

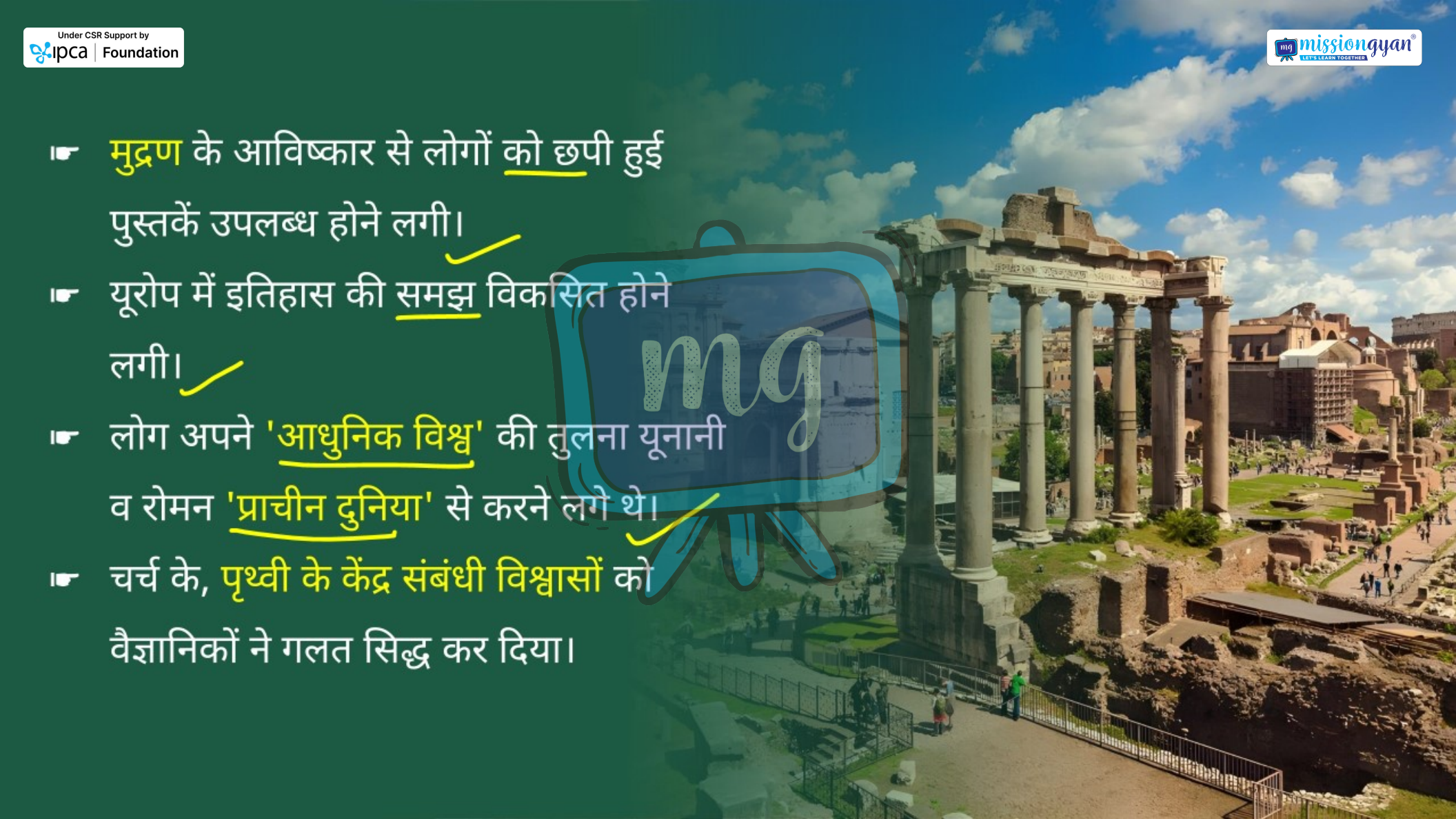
- चौदहवीं शताब्दी से सत्रहवीं शताब्दी के अंत तक यूरोप में 'नगरीय संस्कृति' विकसित हो रही थी।
- फ़्लोरेंस, वेनिस और रोम-कला और विद्या के केंद्र बन गए।
- नगरों को राजाओं और चर्च से थोड़ी बहुत स्वायत्तता मिली थी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

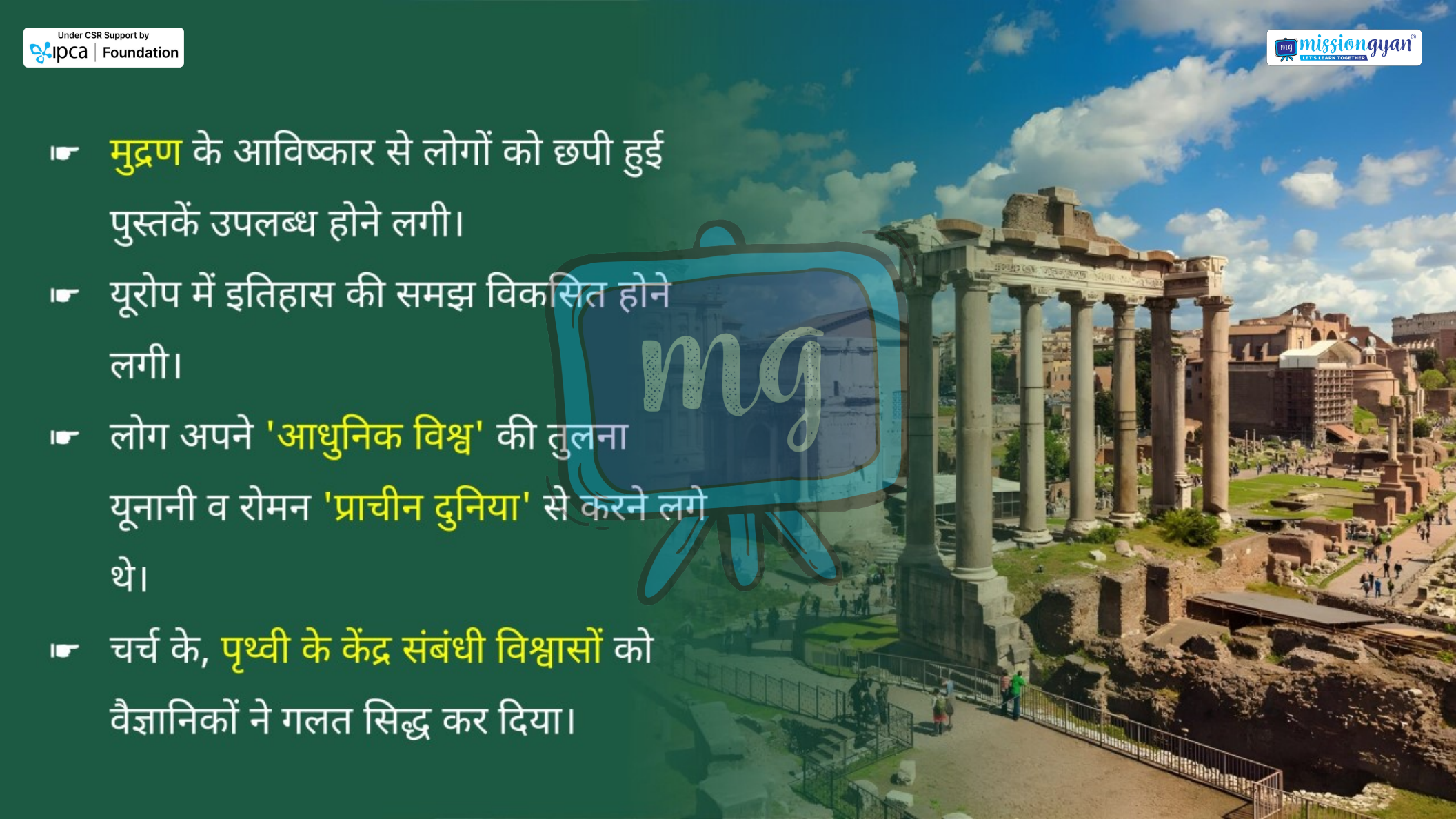
- मुद्रण के आविष्कार से लोगों को छपी हुई पुस्तकें उपलब्ध होने लगी।
- यूरोप में इतिहास की समझ विकसित होने लगी।
- लोग अपने 'आधुनिक विश्व' की तुलना यूनानी व रोमन 'प्राचीन दुनिया' से करने लगे थे।
- चर्च के, पृथ्वी के केंद्र संबंधी विश्वासों को वैज्ञानिकों ने गलत सिद्ध कर दिया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- मुद्रण के आविष्कार से लोगों को छपी हुई पुस्तकें उपलब्ध होने लगी।
- यूरोप में इतिहास की समझ विकसित होने लगी।
- लोग अपने 'आधुनिक विश्व' की तुलना यूनानी व रोमन 'प्राचीन दुनिया' से करने लगे थे।
- चर्च के, पृथ्वी के केंद्र संबंधी विश्वासों को वैज्ञानिकों ने गलत सिद्ध कर दिया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस विचार के पीछे यह मान्यता थी कि यूरोप विश्व का केंद्र है ।
- उन्नीसवीं शताब्दी के इतिहासकारों ने 'रेनेसाँ' शब्द का प्रयोग किया।
- यह उस काल के सांस्कृतिक परिवर्तनों को बताता है।
- 1860 ई. में बर्कहार्ट ने 'दि सिविलाईजेशन ऑफ दि रेनेसाँ इन इटली' नामक पुस्तक की रचना की।

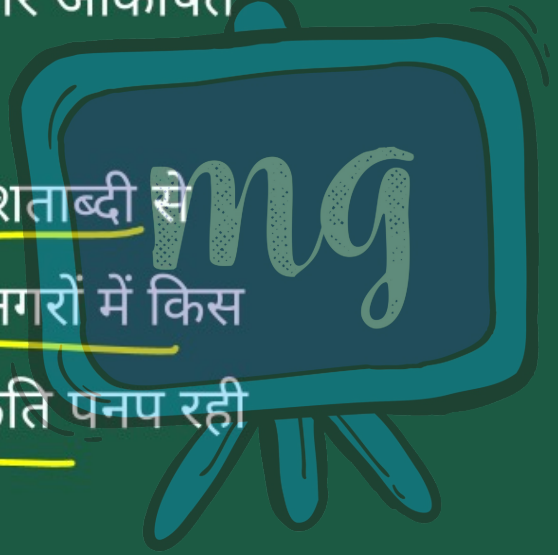
रेनेसाँ → (पुनर्जागरण)



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इसमें उन्होंने पाठकों का ध्यान साहित्य, वास्तुकला और चित्रकला की ओर आकर्षित किया।
- उन्होंने यह बताया कि चौदहवीं शताब्दी से सत्रहवीं शताब्दी तक इटली के नगरों में किस प्रकार एक 'मानवतावादी' संस्कृति पनप रही थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह संस्कृति इस नए विश्वास पर आधारित थी कि व्यक्ति अपने बारे में खुद निर्णय लेने और अपनी दक्षता को आगे बढ़ाने में समर्थ है।
- ऐसा व्यक्ति 'आधुनिक' था जबकि 'मध्यकालीन मानव' पर चर्च का नियंत्रण था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इटली के नगरों का पुनरुत्थान

- पश्चिम रोम साम्राज्य के पतन के बाद इटली के राजनैतिक और सांस्कृतिक केन्द्रों का विनाश हो गया।
- इसी समय पूर्वी यूरोप बाइजेंटाइन साम्राज्य के शासन में बदल रहा था।
- उधर कुछ और पश्चिम में इस्लाम एक सांझी सभ्यता का निर्माण कर रहा था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

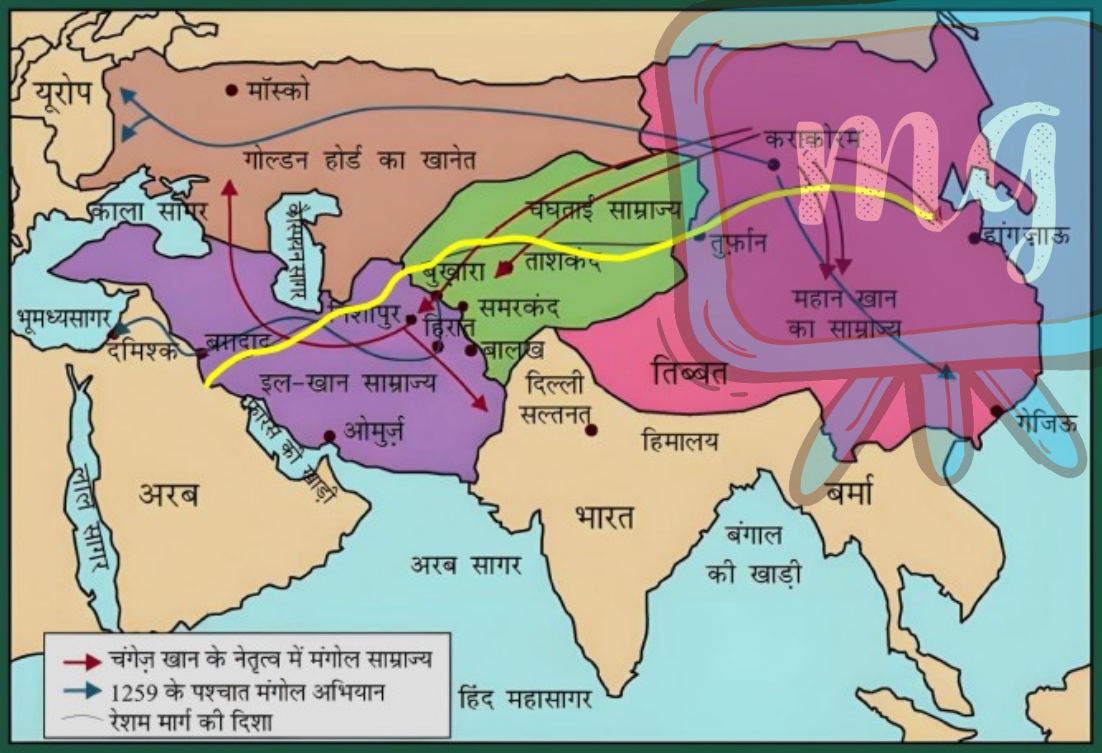
- इटली एक कमज़ोर देश था और अनेक टुकड़ों में बँटा हुआ था।
- इन्हीं परिवर्तनों ने इतालवी संस्कृति के पुनरुत्थान में सहायता प्रदान की।
- बाइजेंटाइन साम्राज्य और इस्लामी देशों के बीच व्यापार बढ़ा ।
- इससे इटली के तटवर्ती बंदरगाह पुनर्जीवित हो गए।



Under CSR Support by ipca | Foundation

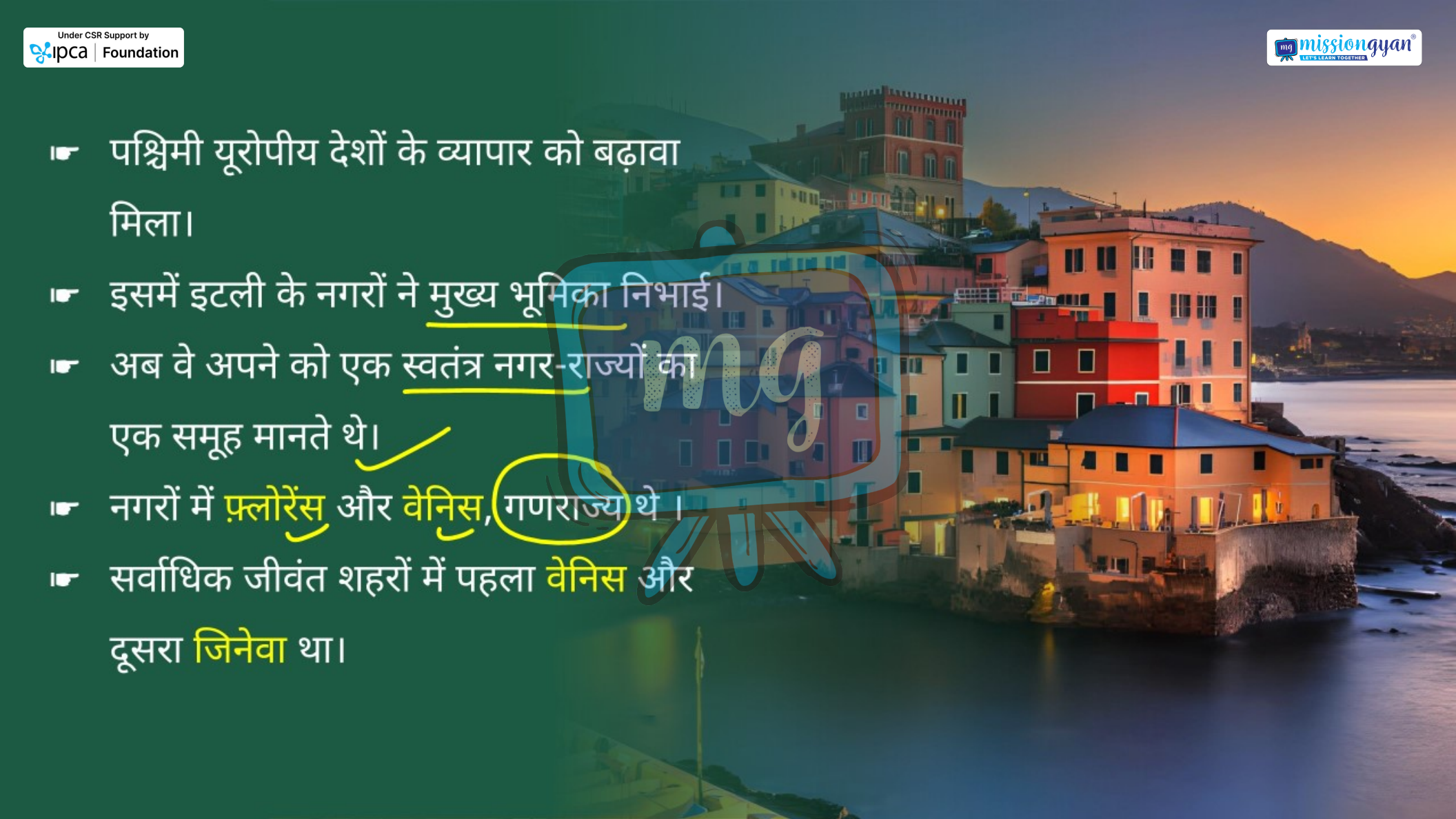
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ बारहवीं शताब्दी से मंगोलों ने चीन के साथ 'रेशम मार्ग' से व्यापार आरंभ किया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- पश्चिमी यूरोपीय देशों के व्यापार को बढ़ावा मिला।
- इसमें इटली के नगरों ने मुख्य भूमिका निभाई।
- अब वे अपने को एक स्वतंत्र नगर-राज्यों का एक समूह मानते थे।
- नगरों में फ़्लोरेंस और वेनिस, गणराज्य थे।
- सर्वाधिक जीवंत शहरों में पहला वेनिस और दूसरा जिनेवा था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ धर्माधिकारी और सामंत वर्ग राजनैतिक दृष्टि से शक्तिशाली नहीं थे।
- नगर के धनी व्यापारी और महाजन नगर के शासन में सक्रिय रूप से भाग लेते थे।
- इससे नागरिकता की भावना पनपने लगी।
- कार्डिनल गेसपारो कोन्तारिनी अपने ग्रंथ 'दि कॉमनवेल्थ एण्ड गवर्नमेंट ऑफ वेनिस (1534)' में अपने नगर-राज्य की लोकतांत्रिक सरकार के बारे में लिखते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विश्वविद्यालय और मानवतावाद

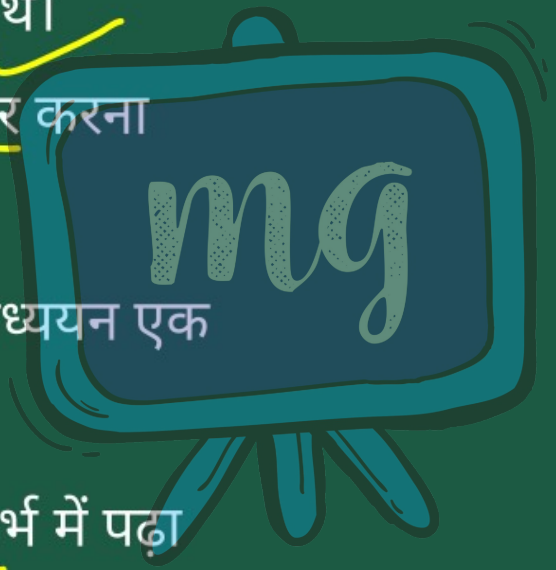
- यूरोप में सबसे पहले विश्वविद्यालय इटली के शहरों में स्थापित हुए।
- ग्यारहवीं शताब्दी से पादुआ और बोलोनिया विश्वविद्यालय विधिशास्त्र के अध्ययन केंद्र रहे।
- इन नगरों के प्रमुख क्रियाकलाप व्यापार और वाणिज्य संबंधी थे।
- इसलिए वकीलों और नोटरी की बहुत अधिक आवश्यकता होती थी ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- क्योंकि वे नियमों को लिखते, उनकी व्याख्या करते और समझौते तैयार करते थे।
- इनके बिना बड़े पैमाने पर व्यापार करना संभव नहीं था।
- यही कारण था कि कानून का अध्ययन एक प्रिय विषय बन गया।
- कानून को रोमन संस्कृति के संदर्भ में पढ़ा जाने लगा।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- फ़्रांचेस्को पेट्रार्क इस परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- पेट्रार्क के लिए पुराकाल एक विशिष्ट सभ्यता थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जिसे प्राचीन यूनानियों और रोमनों के वास्तविक शब्दों के माध्यम से ही अच्छी तरह समझा जा सकता है।
- इस शिक्षा कार्यक्रम में यह अंतर्निहित था कि बहुत कुछ जानना बाकी है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह सब हम केवल धार्मिक शिक्षण से नहीं सीखते।
- इसी नयी संस्कृति को उन्नीसवीं शताब्दी के इतिहासकारों ने 'मानवतावाद' नाम दिया।
- लातिनी शब्द 'ह्यूमेनिटास' से 'ह्यूमेनिटिज़' शब्द बना है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

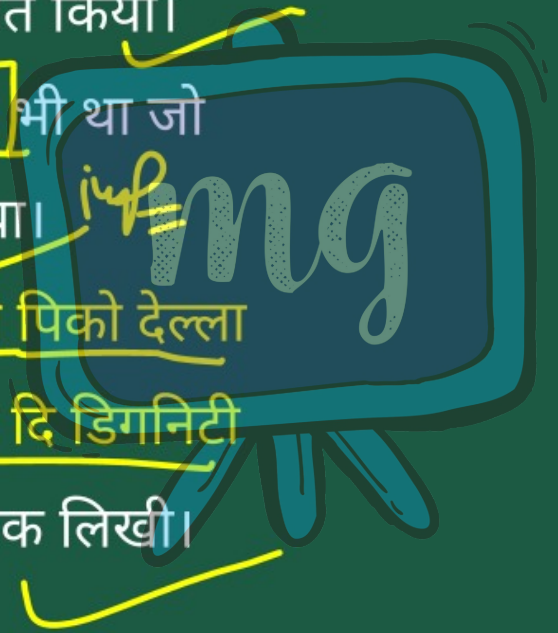
- इसे रोम के वकील तथा निबंधकार सिसरो ने, 'संस्कृति' के अर्थ में लिया था।
- सिसरो जूलियस सीजर का समकालीन था।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इन क्रांतिकारी विचारों ने अनेक विश्वविद्यालयों का ध्यान आकर्षित किया।
- इनमें एक विश्वविद्यालय फ़्लोरेंस भी था जो पेट्रार्क का स्थायी नगर-निवास था।
- फ़्लोरेंस के मानवतावादी जोवान्ने पिको देल्ला मिरांदोला (1463-94) ने 'ऑन दि डिगनिटी ऑफ मैन (1486)' नामक पुस्तक लिखी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

फ़्लोरेंस की प्रसिद्धि में दो लोगों का बड़ा हाथ था।

- दाँते अलिगहियरी (1265–1321)
  - धार्मिक विषयों पर कलम चलायी।
- जोटो (1267–1337)
  - जीते-जागते रूपचित्र बनाए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 'रेनेसाँ व्यक्ति' शब्द का प्रयोग प्रायः उस मनुष्य के लिए किया जाता है जिसकी अनेक रुचियाँ हों और अनेक हुनर में उसे महारत प्राप्त हो।
- पुनर्जागरण काल में एक ही व्यक्ति विद्वान, कूटनीतिज्ञ, धर्मशास्त्रज्ञ और कलाकार हो सकता था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. यूरोप में नगरीय संस्कृति का विकास
2. इटली में विश्वविद्यालयों का महत्व



1 रेनेसाँ का शाब्दिक अर्थ क्या है?

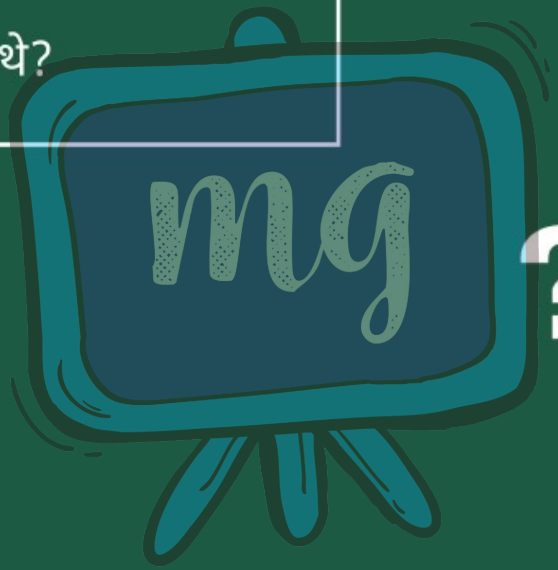




- अ मानववाद
- ब पुनर्जागरण
- स राष्ट्रवाद
- द साम्राज्यवाद

2 दाँते अलिगहियरी कहाँ के निवासी थे?

- अ फ्लोरेंस
- ब वेनिस
- स रोम
- द इनमें से कोई नहीं



3 | “दि सिविलाईजेशन ऑफ दि रेनेसाँ इन इटली” नामक पुस्तक की रचना किसने की?





अ मार्टिन लूथर

ब कार्ल मार्क्स

स ✓ बर्कहार्ट

द एडम स्मिथ

4 यूरोप में पहले विश्वविद्यालय इटली के शहरों में विकसित हुए।

अ ✓ सत्य

ब असत्य



5 ग्याहरवीं शताब्दी से पादुआ और बेलोनिया विश्वविद्यालय ..... के अध्ययन केन्द्र रहे।

